सांध्य दैनिक

4PM

आकाश की तरफ देखिये। हम अकेले नहीं हैं। सारा ब्रह्मांड हमारे लिए अनुकूल है और जो हम सपने देखते हैं और मेहनत करते हैं उन्हें प्रतिफल देने की साजिश करता है। -डॉ. अब्दुल कलाम

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंक 100 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार 16 मई, 2026

पर्पल कैप पर भुवनेश्वर का दावा... 7 | महाराष्ट्र की राजनीति में फिर... 3 | मंत्रालय-विभाग की कमीशन व... 2

ड्रैगन और ईगल की डील के बीच क्या अकेला पड़ जाएगा भारत!

बदल जाएगा एशिया की शक्ति का संतुलन, भारत के लिए चेतावनी?

» ट्रंप-जिनपिंग मुलाकात ने बदली वर्ल्ड पॉलिटिक्स नई दोस्ती में सबसे बड़ा दांव भारत पर?

» सीमा पर तनाव, बाजार पर दबाव और दुनिया में बदलते समीकरण क्या नई चाल चल चुका है चीन?

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दुनिया की राजनीति में कुछ तस्वीरें इतिहास बदल देती हैं। नेताओं का हाथ मिलाना सिर्फ कूटनीति नहीं होता अक्सर वह आने वाले तूफानों की आहट बन जाता है। चीन के ग्रेट हॉल में जब शी जिनपिंग ने डोनाल्ड ट्रंप का स्वागत किया तब कैमरों ने सिर्फ दो नेताओं की मुस्कान कैद नहीं की बल्कि एक ऐसे भूचाल की पटकथा रिकॉर्ड की जिसकी गूंज नई दिल्ली से लेकर वाशिंगटन और ताइवान स्ट्रेट तक सुनाई दे सकती है।

कल तक जो अमेरिका चीन को दुनिया का सबसे बड़ा खतरा बता रहा था वही अमेरिका आज चीन से नए रिश्तों की जमीन तैयार करता दिख रहा है। और यही वह मोड़ है जहां भारत को सबसे ज्यादा सतर्क हो जाने की जरूरत है। क्योंकि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थायी दोस्ती नहीं होती सिर्फ स्थायी हित होते हैं। और डोनाल्ड ट्रंप हितों की राजनीति के सबसे बड़े कारोबारी खिलाड़ी माने जाते हैं।

भारत दोस्त भी चुनौती भी

भारत के सामने चुनौती यह है कि वह किसी एक खेमे का हिस्सा बने बिना अपने हित कैसे बचाए। अगर अमेरिका और चीन के रिश्ते सुधरते हैं तो भारत पर दबाव बढ़ सकता है। सीमा विवाद पर चीन और आक्रामक हो सकता है। व्यापारिक प्रतिस्पर्धा तेज हो सकती है। दक्षिण एशिया में चीन का प्रभाव बढ़ सकता है। और सबसे बड़ा खतरा यह कि भारत कहीं जरूरी साझेदार से वैकल्पिक खिलाड़ी न बना दिया जाए। एशिया में शक्ति संतुलन तेजी से बदल रहा है। ताइवान, दक्षिण चीन सागर, रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के संघर्षों के बीच दुनिया की राजनीति नए मोड़ पर खड़ी है। अगर अमेरिका और चीन टकराव कम करते हैं तो इसका असर पूरी एशियाई राजनीति पर पड़ेगा। जापान, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया और भारत सभी को अपनी रणनीति नए सिरे से तय करनी होगी। भारत के लिए यह सिर्फ विदेश नीति का सवाल नहीं यह आर्थिक और सैन्य सुरक्षा का भी सवाल है। क्योंकि चीन सिर्फ सीमा पर नहीं लड़ता वह बाजार, तकनीक और निवेश के जरिए भी दबाव बनाता है।

भारत पर आने वाला है दबाव!

अगर कल भारत अमेरिका के लिए चीन को रोकने का हथियार था तो आज वही अमेरिका चीन के साथ बैठकर नई आर्थिक डील लिख रहा है। सवाल यह नहीं कि अमेरिका और चीन दोस्त बनेंगे या नहीं सवाल यह है कि अगर दोनों महाशक्तियों के बीच नई समझ बन गई तो भारत की रणनीतिक अहमियत कितनी बचेगी? यह वही चीन है जिसने लद्दाख की बर्फीली चोटियों पर भारत की आंखों में आंखें डालकर तनाव पैदा किया। यह वही चीन है जिसने हिंद महासागर से लेकर दक्षिण एशिया तक भारत को घेरने की कोशिश की। और यह वही चीन है जो अब आर्थिक संकट गिरते बाजार और बेरोजगारी के दबाव में अमेरिका से नरमी चाहता है। लेकिन कहानी का सबसे खतरनाक हिस्सा अभी बाकी है। चीन की प्राथमिकता रिश्ते सुधारने नहीं नहीं बल्कि समय खरीदना है। वह अमेरिका को व्यापार निवेश और बाजार के सपनों में उलझाकर एशिया में अपनी ताकत को स्थायी बनाना चाहता है। और अगर अमेरिका इस खेल में शामिल हो गया तो सबसे बड़ा दबाव भारत पर आएगा। भारत आज सिर्फ एक देश नहीं दुनिया की सबसे बड़ी रणनीतिक जमीन बन चुका है। अमेरिका के लिए भारत चीन के खिलाफ संतुलन है। रूस के लिए भारत भरोसेमंद दोस्त है। पश्चिम एशिया के लिए भारत बड़ा बाजार है। और चीन के लिए भारत एशिया की सबसे बड़ी चुनौती। दुनिया तेजी से बदल रही है और उससे ज्यादा तेजी से बदल रहे हैं गठबंधन। दुश्मन दोस्त बन रहे हैं। और इस बदलती दुनिया में भारत को सिर्फ तालियां नहीं चालें भी समझनी होंगी। क्योंकि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में सबसे खतरनाक हमला वही होता है जो मुस्कुराकर किया जाए।

ट्रंप राजनीति के कारोबारी खिलाड़ी

डोनाल्ड ट्रंप को समझना दुनिया की राजनीति को समझने जैसा है। ट्रंप विचारधारा से ज्यादा डील में विश्वास करते हैं। उनके लिए कोई स्थायी दुश्मन नहीं कोई स्थायी दोस्त नहीं। अगर व्यापार में फायदा दिखा तो कल का विरोधी आज का साझेदार बन सकता है। यही वजह है कि चीन के खिलाफ टैरिफ युद्ध छेड़ने वाले ट्रंप आज उसी चीन के साथ मंच साझा करते दिखाई दे रहे हैं। कारण साफ है कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था दबाव में है। चुनावी राजनीति में आर्थिक स्थिरता चाहिए। अमेरिकी कंपनियां चीनी बाजार चाहती हैं। और ट्रंप जानते हैं कि दुनिया की सबसे बड़ी उपभोक्ता लड़ाई में चीन को पूरी तरह अलग करना आसान नहीं। लेकिन भारत के लिए खतरा यहीं पैदा होता है। क्योंकि पिछले कई वर्षों में भारत ने खुद को अमेरिका के रणनीतिक सहयोगी के रूप में स्थापित किया। क्वाड से लेकर इंडो-पैसिफिक रणनीति तक भारत अमेरिका के लिए अहम दोस्त बनकर उभरा लेकिन अगर ट्रंप चीन के साथ बड़ी डील कर लेते हैं तो भारत की उपयोगिता का समीकरण बदल सकता है।

चीन की मुस्कान के पीछे छिपा है संकट

शी जिनपिंग की मुस्कान के पीछे भी बेचैनी छिपी हुई है। चीन की अर्थव्यवस्था लगातार दबाव में है। रियल एस्टेट संकट युवाओं में बेरोजगारी, विदेशी निवेश में गिरावट और पश्चिमी कंपनियों का बाहर निकलना इन सबने चीन को अंदर से हिला दिया है। चीन जानता है कि अगर अमेरिका के साथ व्यापार युद्ध लंबा चला तो उसकी आर्थिक रफ्तार टूट सकती है। इसलिए बीजिंग अब नरमी का चेहरा दिखा रहा है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि चीन बदल गया है। ड्रैगन की रणनीति हमेशा लंबी होती है। वह सीधे युद्ध से ज्यादा आर्थिक और रणनीतिक कब्जे में विश्वास करता है। पाकिस्तान से लेकर श्रीलंका और अफ्रीका तक चीन ने कर्ज और निवेश के जरिए प्रभाव बढ़ाया। अब वह अमेरिका के साथ रिश्ते सुधारकर खुद को फिर स्थिर करना चाहता है। और इस पूरी रणनीति में भारत सबसे बड़ा अवरोध है।

कमीशन व कमाई के बंटवारे को लेकर बीजेपी में चल रही टकरार : अखिलेश

ऊपर की पर्ची से होगा मंत्रियों के विभागों का बंटवारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार के नए मंत्रियों को विभाग न मिलने पर सवाल उठाए हैं। सपा मुखिया ने तंज कसते हुए कहा कि यूपी में मंत्रियों के नाम के बाद अब क्या उनके विभागों की पर्ची भी ऊपर से आएगी। मंत्रालयों के बंटवारे की देरी की असली वजह सिर्फ ये है कि मंत्रालय-विभाग की कमीशन व कमाई के बंटवारे के लिए डबल इंजन आपस में टकरा रहे हैं।

दीर्घ प्रतीक्षा के बाद जो नए मंत्री बने हैं, वो बेचारे तो बस दर्शक दीर्घा में बैठकर गेंद को इधर-उधर आते-जाते देख रहे हैं। भाजपाई डबल इंजन बाकी सब मंत्रियों को डिब्बा कर देता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने ठाना है कि नए मंत्रियों को जो भी विभाग मिलेगा, उस पर निगाह रखी जाएगी, जिससे ये अपने खजाने न भर सकें। इस बात के लिए कागजी प्रमाण के साथ-साथ और भी आडियो-वीडियो सबूत इकट्ठे किए जाएंगे।

सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने शुक्रवार को विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं और नेताओं से मुलाकात की। इस अवसर पर कहा कि भाजपा सरकार ने अर्थव्यवस्था को तबाह कर दिया है। जो हालात हैं, उसमें महंगाई में लगातार वृद्धि होगी। भाजपा सरकार की नीतियां फेल है। डॉ. राममनोहर लोहिया की दाम बांधो नीति से ही महंगाई पर लगाम लगेगी।

27 में विधानसभा चुनाव लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा

सपा अध्यक्ष ने कहा कि 27 में विधानसभा चुनाव लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा है। भाजपा सत्ता का दुरुपयोग करेगी लेकिन इस बार जनता की ताकत के सामने भाजपा टिक नहीं पाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि उनके व्यवहार से किसी को कष्ट न हो। कार्यकर्ताओं और नेताओं की भाषा और व्यवहार किसी के खिलाफ न हो। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन आदि मौजूद रहे।

आंधी-तूफान पीड़ितों को मिले मुआवजा

अखिलेश ने आंधी-तूफान की वजह से भदोही, फतेहपुर, सोनभद्र, बदायूं व कई अन्य स्थानों पर लोगों की मृत्यु को बेहद दुखद बताते हुए गहरा शोक प्रकट किया। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की कि आपदा के इस समय में सभी प्रभावित लोगों की यथासंभव सहायता करें। उन्होंने पीड़ितों के लिए मुआवजे की घोषणा करने की मांग की। वहीं सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखीमपुर के गंगोत्री नगर निवासी नीट अभ्यर्थी रितिक मिश्रा के असामायिक निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है।

कार्यकर्ता अपनी भाषा पर नियंत्रण रखें

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सपा सांसदों, विधायकों और तमाम बड़े नेताओं को अपनी भाषा पर नियंत्रण रखने के निर्देश दिए हैं। सपा मुखिया ने कार्यकर्ताओं को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि वो अपनी भाषा और आचरण को लेकर सतर्क रहें। कोई ऐसी बात न कहें, जिससे किसी खास समुदाय, जाति, वर्ग या धर्म के लोगों को आहत करें। समाजवादी पार्टी के दफ़्तर में अखिलेश यादव ने अलग-अलग जिलों से आए सपा कार्यकर्ताओं और नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को आगामी चुनाव को देखते हुए अलर्ट मोड पर काम करने के निर्देश दिए और उन्हें आपत्तिजनक भाषा के इस्तेमाल से बचने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे शब्दों का इस्तेमाल न करें जिससे किसी की भावना आहत हों या कोई विवाद हो। सपा मुखिया ने कार्यकर्ताओं से कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव लोकतंत्र की अग्निपरक्षा हैं ऐसे में सभी को नेताओं को अपनी भाषा और आचरण पर संयम रखना होगा. उन्होंने पीडीए फॉर्मूले पर ज़ोर देते हुए कहा कि प्रदेश में भाजपा के विरोध में पीडीए समाज एकजुट है। इसलिए हर कदम सावधानी के साथ आगे बढ़ाना है।

अपराधियों को बचाने का प्रयास कर रही है केंद्र सरकार : डोटासरा

नीट पेपर लीक मामले पर भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। जयपुर में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जुली ने नीट पेपर विवाद को लेकर भाजपा सरकार को घेरा। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि परीक्षा से जुड़े गंभीर विवाद के बावजूद सरकार अब तक मुख्य आरोपियों और कथित पेपर माफियाओं के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रही है। डोटासरा ने एक पुराना वीडियो भी दिखाया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजस्थान की चुनावी सभा में पेपर लीक मामलों पर कांग्रेस सरकार को घेरते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में प्रधानमंत्री यह कहते दिखाई दे रहे हैं कि यदि भाजपा की सरकार बनती है तो पेपर माफियाओं को पाताल से भी निकाल लेंगे।

डोटासरा ने कहा कि नीट परीक्षा विवाद को कई दिन बीत चुके हैं लेकिन अब तक सरकार की ओर से कोई ऐसी ठोस कार्रवाई देखने को नहीं मिली

जिससे छात्रों को न्याय मिलने का भरोसा हो। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर सरकार अपराधियों को बचाने का प्रयास क्यों कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हर उस छात्र और अभ्यर्थी के साथ मजबूती से खड़ी है, जिसके साथ अन्याय हुआ है, चाहे वह किसी भी दल, वर्ग या विचारधारा से जुड़ा हो। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि पेपर लीक और परीक्षा विवाद केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि लाखों युवाओं के भविष्य से जुड़ा विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार युवाओं के भविष्य की सुरक्षा करने में असफल साबित हो रही है। साथ ही उन्होंने मांग की कि मामले की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कर दोषियों को कड़ी सजा दी जाए।

भाजपा नेता दिखावटी राजनीति कर रहे : जूली

वहीं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जुली ने भाजपा नेताओं पर दिखावटी राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ाने वाले फैसले ले रही है, जबकि दूसरी ओर भाजपा नेता केवल प्रतीकात्मक राजनीति में व्यस्त हैं। जुली ने कहा कि देशहित और युवाओं के भविष्य की रक्षा केवल भाषणों और नारों से नहीं होगी, बल्कि इसके लिए सरकार को कठोर और पारदर्शी कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में युवाओं के हितों को लेकर गंभीर है तो उसे पेपर लीक और परीक्षा विवादों पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनानी चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि छात्रों को न्याय नहीं मिला तो पार्टी इस मुद्दे को और मजबूती से उठाएगी।

पीएम दो गाड़ियों में चलते हैं पर बिहार सीएम का काफिला अब भी लंबा : तेज प्रताप यादव

सरकार को आम लोगों की परेशानियां समझनी चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गया। जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव गया पहुंचे, जहां उन्होंने प्रसिद्ध विष्णुपद मंदिर में पूजा-अर्चना की। मंदिर दर्शन के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने बिहार की राजनीति, बढ़ती महंगाई और वीआईपी काफिलों को लेकर सरकार पर निशाना साधा।

पत्रकारों ने जब उनसे पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर सवाल किया तो तेज प्रताप ने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल की बात करते हैं, इसलिए सरकार को पहले आम लोगों की परेशानियों को समझना चाहिए। हालांकि, सबसे ज्यादा चर्चा उनके उस बयान की हो रही है, जिसमें उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री के लंबे काफिले पर सवाल खड़े किए। तेज प्रताप यादव ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री मोदी केवल दो गाड़ियों के काफिले में चल सकते हैं, तो बिहार के मुख्यमंत्री को भी अपने काफिले की गाड़ियों की संख्या कम करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि जनता महंगाई से परेशान है और ऐसे समय में नेताओं को सादगी का संदेश देना चाहिए। उनका यह बयान ऐसे वक्त आया है, जब राज्य में मंत्रियों और विधायकों के काफिलों में शामिल वाहनों की संख्या सीमित करने को लेकर चर्चा चल रही है। तेज प्रताप ने महंगाई के मुद्दे पर भी सरकार को घेरते हुए कहा कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर आम जनता पर पड़ रहा है और सरकार को इस पर जवाब देना चाहिए।

हरियाणा में धान के एमएसपी में बढ़ोतरी किसानों के लिए नाकाफी : अभय सिंह

इनैलो ने सैनी सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। इनैलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला ने केंद्र सरकार द्वारा घोषित धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को किसानों के लिए नाकाफी बताया है। कहा कि सामान्य धान का एमएसपी 2441 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में केवल 72 रुपये अधिक है।

चौटाला के अनुसार सरकार को लागत पर 50 फीसदी लाभ जोड़कर मूल्य तय

करना चाहिए था। उनके मुताबिक धान का उचित मूल्य कम से कम 3243 रुपये प्रति क्विंटल होना चाहिए था। किसानों को इससे करीब 802 रुपये प्रति क्विंटल कम मिल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीति किसानों को आर्थिक रूप से कमजोर कर रही है।

खेती और किसान को मजबूत किए बिना देश की अर्थव्यवस्था मजबूत नहीं हो सकती इसलिए सरकार को किसान हित में व्यावहारिक और न्यायसंगत मूल्य नीति अपनानी चाहिए।

महाराष्ट्र की राजनीति में फिर सुगबुगाहट नए समीकरण की आहट

डिप्टी सीएम सुनेत्रा ने बनाई एनसीपी की कार्यकारिणी

अजित पवार के करीबी तटकरे पवार से मिले

» बेटों को दी जिम्मेदारी कुछ वरिष्ठों को किया नजरअंदाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में फिर सुगबुगाहट, विवाद व नए समीकरण दिखाई दे रहे हैं। जहां अजित दादा के खास नेता सुनील तटकरे शरद पवार से मिले हैं। इसकी टाइमिंग को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। अटकलें हैं कि राज्य में नया समीकरण बन रहा है। हालांकि सुनील तटकरे ने इसे केवल शरद पवार की तबीयत पूछने के लिए हुई मुलाकात बताया। वहीं डिप्टी सीएम ने पार्थ पटेल को एनसीपी में नई जिम्मेदारी तो साथ ही कार्यकारिणी में दिग्गज नेता छगन भुजबल व प्रफुल्ल पटेल का नाम गायब होने पर उन पर सवाल उठने लगा है।

बता दें महाराष्ट्र की राजनीति से एक बड़ी खबर सामने आई है। राष्ट्रवादी कांग्रेस (एनसपी) के प्रदेशाध्यक्ष सुनील तटकरे वरिष्ठ नेता शरद पवार से मिलने पहुंचे हैं। मुंबई स्थित 'सिल्वर ओक' निवास पर तटकरे ने शरद पवार से मुलाकात की। हाल ही में राष्ट्रवादी कांग्रेस में चल रही राजनीतिक हलचलों और राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सूची में तटकरे का नाम नहीं होने की खबरों के बाद इस मुलाकात को खास महत्व दिया जा रहा है। बताया जा रहा है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस में विभाजन के बाद सुनील तटकरे की शरद पवार से यह पहली मुलाकात है। एक तरफ राष्ट्रवादी कांग्रेस के विलय की चर्चाएं चल रही हैं। वहीं, दूसरी तरफ ऐसी खबरें सामने आ रही थीं कि सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल इस विलय के विरोध में हैं, इसी बीच आज तटकरे ने शरद पवार से मुलाकात की।

मुलाकात के समय को लेकर चर्चा

हालांकि, सुनील तटकरे ने इसे केवल शरद पवार की तबीयत पूछने के लिए हुई मुलाकात बताया, लेकिन इसकी टाइमिंग को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। सुनील तटकरे राष्ट्रवादी कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव हैं, जबकि प्रफुल पटेल राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष हैं। हालांकि, चुनाव आयोग को पार्टी की ओर से भेजे गए पत्र में इन पदों का उल्लेख नहीं था। इसके बाद यह चर्चा शुरू हो गई थी कि क्या ये दोनों नेता अब भी इन पदों पर बने हुए हैं या नहीं। एक तरफ ये सियासी घटनाक्रम तो दूसरी तरफ सुनेत्रा और पार्थ पवार ने , प्रफुल पटेल और सुनील तटकरे ने असम का संयुक्त दौरा किया। इस दौरे के जरिए पार्टी ये दिखाने की कोशिश कर रही है कि पार्टी में किसी तरह का मतभेद नहीं है। इन सबके बीच अब सुनील तटकरे की शरद पवार से हुई मुलाकात ने राजनीतिक चर्चाओं को और तेज कर दिया है।

पार्थ पवार और सुबोध मोहिते महासचिव

पार्थ पवार और सुबोध मोहिते महासचिव हैं। एनसीपी नेता माणिकराव कोकाटे भी कार्यकारी समिति में शामिल हैं। जय पवार को कोषाध्यक्ष नियुक्त किए जाने के अलावा राष्ट्रीय सचिव और पार्टी की अनुशासन समिति का अध्यक्ष भी बनाया गया है। समिति में धीरज शर्मा को राष्ट्रीय अध्यक्ष (युवा) के रूप में शामिल किया गया है, जबकि विधायक चेतन तुपे, शेखर निकम, सना मलिक और सरोज अहिरे भी सूची में हैं। अन्य सदस्यों में अविनाश आदिक, संजय प्रजापति, टोको तातुंग (जिन्हें अरुणाचल प्रदेश के विधायक और प्रदेश अध्यक्ष के रूप में सूचीबद्ध किया गया है), राणा रणवीर सिंह, डॉ. रमन प्रीत सिंह, धनंजय शर्मा और डॉ. अभिषेक वी बोके शामिल हैं, जिन्हें राष्ट्रीय सचिव के रूप में नामित किया गया है।

टेक्निकल एरर, कोई राजनीतिक कारण नहीं : सुनेत्रा पवार

यह सूची फिलहाल सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है, जिसको लेकर एनसीपी चीफ सुनेत्रा पवार ने सफाई पेश की है। सुनेत्रा पवार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर स्पष्ट रूप से कहा कि इस लिस्ट में तकनीकी और क्लेरिकल त्रुटियां हैं। लिस्ट में सुधार किए जाने के बाद इसे दोबारा पब्लिश किया जाएगा। सुनेत्रा

पवार ने अपने पोस्ट में स्पष्ट किया कि यह केवल तकनीकी गलती है और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के नाम हटाने के पीछे कोई राजनीतिक कारण नहीं है।

कार्यकारी समिति में ये नेता शामिल?

ईसीआई सचिव को संबोधित पत्र में, सुनेत्रा पवार ने पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के 22 सदस्यों की सूची भेजी है। कार्यकारी समिति में अध्यक्ष के रूप में सुनेत्रा पवार के अलावा वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल, लोकसभा में पार्टी के नेता सुनील तटकरे और राज्य सरकार में मंत्री छगन भुजबल शामिल हैं। अन्य प्रमुख सदस्यों में वरिष्ठ नेता दिलीप पाटिल और कोषाध्यक्ष के रूप में शिवाजीराव गर्जे शामिल हैं।

तटकरे ने कहा- तबीयत पूछने आया था

सुनील तटकरे ने कहा कि शरद पवार की तबीयत पिछले कुछ दिनों से ठीक नहीं थी, इसलिए उन्होंने उनसे मिलने के लिए समय मांगा था। सुनील तटकरे ने जवाब दिया कि आज समय मिलने पर वो उनसे मिलने पहुंचे। तटकरे ने स्पष्ट किया कि इस मुलाकात के पीछे कोई राजनीतिक कारण नहीं है और इसमें कोई राजनीति नहीं है। उन्होंने कहा, मेरा दौरा केवल उनके हालचाल जानने के लिए था और किसी भी राजनीतिक बात पर चर्चा नहीं हुई। हालांकि, महाराष्ट्र की राजनीति में शरद पवार और उनके पुराने सहयोगियों की मुलाकातें कभी सामान्य नहीं मानी जाती। इसलिए अटकलों का दौर जारी है।

पार्थ पवार को मिली बड़ी जिम्मेदारी, जय पवार भी कार्यकारी समिति में शामिल

महाराष्ट्र के दिवंगत नेता अजित पवार के बेटे पार्थ पवार और जय पवार को पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी मिली है। प्रदेश की डिप्टी सीएम और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की अध्यक्ष सुनेत्रा पवार ने अपने बेटे पार्थ पवार और जय पवार को पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति में शामिल किया है। सुनेत्रा पवार द्वारा 29 अप्रैल को भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को भेजे गए पत्र के अनुसार, हाल ही में राज्यसभा के लिए निर्वाचित पार्थ पवार को महासचिव नियुक्त किया गया है। वहीं, उनके छोटे भाई जय पवार को राष्ट्रीय सचिव और पार्टी की अनुशासन समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। पत्र के अनुसार, पार्थ पवार को पार्टी समन्वय का

कार्यभार सौंपा गया है। सुनेत्रा पवार ने अपने पति और तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजित पवार के इस वर्ष 28 जनवरी को पुणे जिले के बारामती में विमान दुर्घटना में निधन के बाद उपमुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख का पदभार संभाला।

कार्यकारिणी की लिस्ट से प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल का नाम न होने पर बवाल

महाराष्ट्र की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी को लेकर बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। पार्टी द्वारा चुनाव आयोग को सौंपी गई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सूची में वरिष्ठ नेताओं प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल और सुनील तटकरे के नाम नहीं हैं, जिसके बाद से सियासी गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। दरअसल, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की ओर से अप्रैल में

चुनाव आयोग को राष्ट्रीय कार्यकारिणी और उनके दायित्वों से जुड़ी विस्तृत सूची भेजी गई थी। मीडिया में वायरल हो रहे इस लिस्ट में पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनेत्रा पवार के साथ महासचिव के रूप में पार्थ पवार और जय पवार के नाम शामिल हैं, हालांकि, लिस्ट में प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे जैसे वरिष्ठ नेताओं के नाम गायब दिखाई दे रहे हैं, जिससे कई तरह की अटकलें लगाई जा

अजित पवार के करीबी रहे हैं प्रफुल्ल पटेल

इस लिस्ट में प्रफुल्ल पटेल का नाम गायब होने की चर्चा सबसे ज्यादा रही। प्रफुल्ल पटेल पार्टी के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अहम रणनीतिकार माने जाते हैं। एनसीपी के दिवंगत प्रमुख अजित पवार जब सियासी संघर्ष कर रहे थे, तब प्रफुल्ल पटेल उनके साथ थे। अजित पवार को सबसे ज्यादा भरोसा उन्हीं पर था। ऐसे में नई टीम में प्रफुल्ल पटेल का नाम ना होना सबको हैरान कर रहा था हालांकि, सुनेत्रा पवार ने अब स्पष्ट कर दिया है कि नई लिस्ट जारी की जाएगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

अन्नदाताओं के अच्छे दिन कब आएंगे

> कागजों में किसानों के लिए सरकारी सुविधाओं की कोई कमी नहीं? एमएसपी की सुविधाओं का प्रावधान है, लेकिन जमीन पर सच्चाई कुछ और बयां करती हैं। कुल मिलाकर अन्नदाता सुख-सुविधाओं से कोसों दूर हो चुका है। सब्सिडी वाली खाद उन्हें ब्लैक में खरीदनी पड़ रही है। किसानों के लिए ईमानदारी से कुछ करने की जरूरत है।

धीरे-धीरे गर्मी बढ़ रही है। मानव से लकर जानवर तक प्रकृति के इस कोप का भाजन बनेंगे । सबसे ज्यदा प्रभाव पेड़-पौधे, खेती किसानी पर पड़ेगा। कृषि पर वैसे ही संकट का बादल मंडराया हुआ है। अनचाही बारिश से उत्पन्न समस्याओं ने इस संकट को और गहरा दिया है। कागजों में किसानों के लिए सरकारी सुविधाओं की कोई कमी नहीं? एमएसपी की सुविधाओं का प्रावधान है, लेकिन जमीन पर सच्चाई कुछ और बयां करती हैं। कुल मिलाकर अन्नदाता सुख-सुविधाओं से कोसों दूर हो चुका है। सब्सिडी वाली खाद उन्हें ब्लैक में खरीदनी पड़ रही है। किसानों के लिए ईमानदारी से कुछ करने की जरूरत है। अगर याद हो तो इन्हीं दिनों में पिछले वर्ष भी तबाही वाली बारिश हुई थी। तब गनीमत ये थी फसल कट चुकी थी। वैसे भी किसान कृषि को अब घाटे का सौदा मानने लगे हैं। सौ रुपए के आसपास डीजल का भाव है। कायदे से अनुमान लगाए तो किसानों की लागत का मूल्य भी फसलों से नहीं लौट पाता? यही वजह है कि खेती नित घाटे का सौदा बनती जा रही है। इसी कारण धीरे-धीरे किसानी से मोहभंग होने लगा है।

मौजूदा बारिश से दूसरी फसलों को भी नुकसान पहुंचा है। नुकसान पर सरकारें बेशक सर्वे कराकर प्रभावित किसानों को %प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत राहत देने का प्रयास करती हों। लेकिन लगातार बेमौसम बारिश के कारण किसानों का कर्ज और मुसीबतें बढ़ रही हैं। सरकारें, बेशक इस बारिश को कुदरती आपदा करार दें? पर, कड़वी सच्चाई वही है जो मौसम वैज्ञानिक बता रहे हैं। डिजास्टर मैनेजमेंट इसे कुदरती आपदा नहीं, बल्कि जलवायु परिर्वतन, पश्चिमी विक्षोम, अल-नीनो जैसी वायुमंडलीय परिस्थितियां ही बता रहे हैं। पिछले 5 वर्षों में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से भारत में करीब 80 लाख हेक्टेयर फसलें तबाह हुई हैं। इससे देश का अन्नदाता लगातार कर्ज में डूबा है। कर्ज बढने के बाद किसान आत्महत्या जैसे कदम उठाने पर मजबूर होते हैं? मौजूदा बारिश ने महाराष्ट्र में प्याज और आम की फसल को लगभग नष्ट किया है। जबकि, कर्ज में डूबे किसानों की आत्महत्या करने के आंकड़े वहां सर्वाधिक है। अनचाही बारिश रबी की फसलों पर कटाई के ऐन वक्त आफत बनकर टूटती हैं। बाढ़, सूखा, चक्रवात, भूकंप, भूस्खलन और बेमौसम बारिश का आना अब आम हो गया है। निष्क्रिय हो चुके पुराने बीमा प्रावधान को रिफॉर्म किया जाए, ताकि बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि व बिजली गिरने आदि घटनाओं से बर्बाद हुई फसलों के नुकसान से उन्हें उभारा जा सके। कृषि सेक्टर से सरकार कतई मुंह नहीं फेर सकती? क्योंकि कृषि सेक्टर संपूर्ण जीडीपी में 20-25 फीसदी भूमिका निभाती है इसलिए कृषि को हल्के में नहीं ले सकते।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आश्वस्त करने वाली समन्वय की राजनीति

विश्वनाथ सचदेव

देश में चार राज्यों व एक केंद्रशासित प्रदेश के चुनाव संपन्न हो गये। सरकारें भी बन ही गयीं। नए मुख्यमंत्रियों ने अपनी प्राथमिकताएं भी घोषित कर दी हैं। इन घोषणाओं पर ध्यान जाना स्वाभाविक भी है, और जरूरी भी। यूं तो चुनाव कहीं भी हो, महत्वपूर्ण होते हैं, पर इन चुनावों में पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु दो ऐसे राज्य हैं जहां के परिणाम ने चुनावी पंडितों को भी चौंका दिया है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी की हार हैरान कर देने वाली है। तमिलनाडु में भी द्रविड़-राजनीति का अवसान और एक नयी पार्टी का सत्ता में आना आसानी से समझ आने वाली बात नहीं है। राजनीतिक विश्लेषक स्थिति को समझें-समझाएंगे। लेकिन राजनीतिक दलों को भी आत्म- विश्लेषण करना होगा। सोचना मतदाता को भी पड़ेगा कि जो हुआ वह कैसे हो गया।

दोनों राज्यों के नए मुख्यमंत्रियों ने जीत के बाद अपने पहले वक्तव्य में जो कहा वह ध्यान आकर्षित करता है। तमिलनाडु के नये मुख्यमंत्री ने अपने मतदाताओं से 'कुछ समय' मांगते हुए जिस पहले आदेश पर हस्ताक्षर किये हैं, वह है राज्य की जनता को दौ सौ यूनिट बिजली मुफ्त देने का है। वैसे यह उनके चुनावी वादों का हिस्सा था, फिर भी जिस तेजी से यह घोषणा की गयी है उससे यह स्पष्ट है कि वह अपने मतदाताओं का विश्वास बनाये रखने को प्राथमिकता देने वाले नेता हैं। आज तो सभी राजनीतिक दल और राजनेता रेवड़ियां बांटने वाली इस राजनीति को अपना चुके हैं, पर ज्ञातव्य है कि इस राजनीति की शुरुआत सत्तर साल पहले तमिलनाडु से ही हुई थी। तत्कालीन कांग्रेसी मुख्यमंत्री के. कामराज ने 'मिड डे मील' के रूप में यह प्रथा शुरू की थी। धीरे-धीरे वह सभी राज्यों की रीति-नीति का हिस्सा बन गयी। फिर तो चुनावों में घरेलू जरूरत की चीजों और आर्थिक सहायता तक बात पहुंच गयी। देखा जाये तो यह एक तरह से वोट के बदले रिश्वत दिया जाना ही है पर राजनीति की यह 'रेवड़ी संस्कृति' आज हमारी राजनीति का एक स्वीकृत हिस्सा बन चुकी है।

इसमें संदेह नहीं है कि कुछ लाभ भी हैं इस राजनीति के। जैसे स्कूल जाने वाली लड़कियों को साइकिल बांटने से लेकर विद्यार्थियों को मोबाइल, कंप्यूटर तक मुफ्त देना शिक्षा के प्रसार में निश्चित रूप से उपयोगी सिद्ध हुआ है। पर हकीकत यह भी है कि हाल ही में हुए एक सर्वेक्षण में 56 प्रतिशत लोगों ने इस 'मुफ्तिया नीति' को अनावश्यक बताया है और इसे वोट बटोरने का एक

प्रयास कहा है। सर्वेक्षण में भाग लेने वाले 60 प्रतिशत से अधिक लोगों ने इस नीति के राष्ट्र की वित्तीय स्थिति पर कुप्रभाव की चर्चा की है। वित्तीय सहायता बांटने वाली इस राजनीति के कुप्रभाव को लेकर चिंता प्रकट करने वालों का यह भी कहना है कि इससे पर-निर्भरता की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलता है। उदाहरण के लिए देश की 80 प्रतिशत आबादी को पांच किलो मुफ्त अनाज देने वाली नीति एक अर्से से आलोचना का शिकार हो रही है, लेकिन संबंधित सरकारों को वोट की दृष्टि से यह एक फायदे का सौदा लगता है! लेकिन इसके औचित्य पर उठने वाले सवाल एक गंभीर चिंतन की अपेक्षा करते हैं। तमिलनाडु के नये मुख्यमंत्री ने मतदाताओं को किए गये वादे को पूरा करने का एक उदाहरण तो प्रस्तुत किया है, पर यह 'मुफ्तिया राजनीति' राजनीतिक भ्रष्टाचार का भी एक उदाहरण है। लोक कल्याणकारी नीतियों का तो स्वागत होना चाहिए, पर मतदाता को नकद राशि देने वाली नीति जब एक तरह की होड़ बन जाये तो यह विषय प्रोत्साहन का नहीं, चिंता का बन जाता है। पर हमारे नेताओं को ऐसी कोई चिंता सताती नहीं है! राजनेताओं को यह चिंता सतानी चाहिए कि लालच देकर वोट खरीदने की जो यह परिपाटी हमारे देश में जड़ें जमा रही है, उसके दुष्परिणामों से कैसे बचा जा सकता है। क्या यह चिंता का विषय नहीं होना चाहिए कि महिलाओं के बैंक खातों में नकद राशि जमा करने की इस होड़ से प्रतिवर्ष देश पर 1.7 लाख करोड़ रुपए का बोझ पड़ रहा है? यह सवाल भी पूछा जाना चाहिए कि इतना पैसा मुफ्त बांटने के बाद विकास-कार्यों के लिए कितना पैसा बचेगा। लोकप्रियता बटोरने का यह तरीका वस्तुतः बहुत महंगा सौदा है। ऐसे सौदे में घाटे में देश रहता है। और देश को घाटा तब भी होता है जब धर्म के नाम पर वोट दिये और लिये जाते हैं।

इस संदर्भ में एक अच्छी बात बंगाल के नये मुख्यमंत्री ने कही है। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद जब वह एक कार्यक्रम में भाग लेने गये तो वहां उपस्थित लोगों ने 'जय श्रीराम' के नारों के साथ उनका स्वागत-अभिनंदन किया। यह जानना एक सुखद आश्चर्य ही है कि मुख्यमंत्री ने 'जय श्रीराम' का नारा लगाने वाले अपने प्रशंसकों को यह नारा लगाने से रोक दिया। अब वह सब के मुख्यमंत्री हैं चुनाव-प्रचार के दौरान शुभेंदु अधिकारी लगातार 'जय श्रीराम' का नारा लगाते- लगवाते रहे हैं।

न्याय का चश्मा और पुरुष पीड़ा का मौन प्रतिवाद

डॉ. सुधीर कुमार

जीवन हारने के लिए नहीं, बल्कि हक के लिए लड़ने के लिए है। हमारे समाज में 'मर्दानगी' की खोखली परिभाषा और 'मर्दों को दर्द नहीं होता' जैसे संवादों ने पुरुषों के चारों ओर चुप्पी की एक ऐसी दीवार खड़ी कर दी है, जहां उनका मानसिक संताप सिसकियों में भी नहीं बदल पाता। अक्सर वैवाहिक प्रताड़ना और 'लोकलाज' के डर से पुरुष खामोशी या आत्मघाती कदम चुन लेता है। आज समय की मांग है कि हम पुरुष मानसिक उत्पीड़न को केवल एक निजी व्यथा न मानकर, इसे एक गंभीर कानूनी और मनोवैज्ञानिक संकट के रूप में स्वीकार करें। युवा जज अमन शर्मा की आत्महत्या ने न्याय व्यवस्था और सामाजिक ढांचे पर गहरा प्रश्नचिन्ह लगा दिया है, जो यह सिद्ध करता है कि पद और प्रतिष्ठा मानसिक प्रताड़ना के आगे बौने हैं। जब दूसरों को न्याय दिलाने वाला कानून का ज्ञाता स्वयं को इतना असुरक्षित और असहाय पाकर मौत को गले लगा लेता है, तो यह हमारे तंत्र की गंभीर विफलता को दर्शाता है।

विशेषकर 'लव मैरिज' जैसे रिश्तों में पुरुष अक्सर उस दोहरे नैतिक दबाव और 'अपनों के खिलाफ चुनाव' के बोझ तले दब जाता है, जहां प्रताड़ना सहते हुए भी उसे घर वापसी के रास्ते बंद नजर आते हैं। यह प्रकरण एक भयावह चेतावनी है कि मानसिक यंत्रणा चरम पर होने पर ज्ञान और पद पीछे छूट जाते हैं, इसलिए अब समय आ गया है कि कानून को 'जेंडर' के बजाय 'पीड़ा' के चश्मे से देखा जाए। वर्तमान में सामाजिक और कानूनी ढांचे में जहां महिलाओं के लिए कठोर सुरक्षा तंत्र मौजूद है, वहीं पीड़ित पुरुषों के प्रति अक्सर उदासीनता देखी जाती है। विशेष रूप से धारा 498ए के दुरुपयोग को माननीय सुप्रीम कोर्ट ने सुशील कुमार शर्मा बनाम भारत संघ (2005) के मामले में 'कानूनी आतंकवाद' की संज्ञा दी है। इसका मुख्य कारण यह है कि पतियों के पास पत्नी द्वारा की गई शारीरिक हिंसा या घर से निकाले जाने की स्थिति में वैसी त्वरित वैधानिक सुरक्षा उपलब्ध नहीं है।

इसके बावजूद, बदलती न्यायिक चेतना अब 'मानसिक क्रूरता' के आधार पर पुरुषों को राहत प्रदान कर रही है। हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13(1)(आईए) के तहत निरंतर अपमान और प्रताड़ना को तलाक का वैध आधार माना गया है, जबकि धारा 10 के अंतर्गत 'न्यायिक पृथक्करण' मानसिक शांति के लिए एक बेहतर विकल्प के रूप में उभर रहा है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि झूठे मुकदमों और ब्लैकमेलिंग के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 182 एक सुरक्षा कवच का कार्य करती है, जिससे पुरुष कानूनी बारीकियों का उपयोग कर अपनी गरिमा और अधिकारों की रक्षा कर सकते हैं। भारतीय न्यायपालिका ने अपने विभिन्न निर्णयों, विशेषकर नवीन कोहली बनाम नीलू कोहली (2006)और समर घोष बनाम जया घोष (2007) के माध्यम से यह स्पष्ट किया है कि कानून का उद्देश्य केवल किताबी प्रक्रिया नहीं, बल्कि व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य और गरिमा की रक्षा करना भी है।

इन ऐतिहासिक फैसलों ने 'मानसिक क्रूरता' के दायरे को विस्तार देते हुए माना कि यदि वैवाहिक रिश्ता पूरी तरह टूट चुका हो और पति पर वृद्ध माता-पिता को छोड़ने का दबाव बनाना या उसे संतान के सुख से वंचित करना जैसी असहनीय स्थितियां उत्पन्न हों, तो उसे इस बोझिल बंधन से मुक्त होने का पूरा अधिकार है। यह न्यायिक दृष्टिकोण रेखांकित करता है कि न्याय के तराजू में संवेदनशीलता और यथार्थवाद का संतुलन अनिवार्य है, जहां व्यक्ति की मानसिक शांति को वैधानिक औपचारिकताओं से ऊपर स्थान दिया गया है। विकसित देशों में पुरुष उत्पीड़न को लेकर कानून अधिक संतुलित हैं। यूनाइटेड किंगडम में जबरन नियंत्रण का कानून जेंडर न्यूट्रल है, जो यह स्वीकार करता है कि पुरुष भी भावनात्मक शोषण के शिकार हो सकते हैं। अमेरिका, कनाडा और स्कैंडिनेवियन देशों में पुरुषों के लिए विशेष 'एब्यूज शेल्टर' और हेल्पलाइन सक्रिय हैं। भारत में भी अब समय आ गया है कि हम अपनी कानूनी धाराओं को जेंडर न्यूट्रल बनाने की दिशा में विचार करें, ताकि न्याय का तराजू किसी एक तरफ न झुके। व्यवस्था में बदलाव लाने के लिए केवल कानूनों का संकलन मात्र पर्याप्त नहीं है, बल्कि इसके लिए धरातल पर एक नई सोच और व्यावहारिक दृष्टिकोण के सूत्रपात की आवश्यकता है।

सबसे पहले, हमें संवाद और सामाजिक साहस को बढ़ावा देना होगा ताकि समाज में व्याप्त इस धारणा को बदला जा सके कि अपनी समस्या साझा करना कमजोरी की निशानी है। 'लोग क्या कहेंगे' के डर से ऊपर उठकर यह समझना अनिवार्य है कि आपका जीवन किसी भी सामाजिक लोकलाज से कहीं अधिक कीमती है; यदि कोई रिश्ता बोझ बन जाए, तो उसे घुट-घुटकर ढोने के बजाय सम्मानजनक अलगाव का साहस जुटाना ही बेहतर है। डिजिटल युग में मौन को अपनी नियति बनाने के बजाय न्याय को अपना मार्ग चुनिए; याद रखिए, आपका जीवन और आत्म-सम्मान किसी भी सामाजिक लोकलाज से कहीं अधिक कीमती है। पूर्वाग्रह मुक्त जांच की नितांत आवश्यकता है। साक्ष्य संचयन केवल कानूनी हथियार नहीं, बल्कि आपकी सच्चाई का प्रमाण है। पुरुषों को मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए 'मेंस वेलफेयर' संस्थाओं और मनोवैज्ञानिकों की मदद लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

चेहरा धोने में इस्तेमाल करें ये घरेलू नुस्खे

एलोवेरा जेल

एलोवेरा जेल त्वचा को हाइड्रेट रखने और जलन, खुजली व रेडनेस को कम करने में मदद करता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स त्वचा को हेल्दी बनाते हैं। फेसवॉश के रूप में इस्तेमाल करने के लिए ताजा एलोवेरा जेल लें, गीले चेहरे पर लगाकर हल्के हाथों से मसाज करें और फिर पानी से धो लें। यह सभी स्किन टाइप के लिए सुरक्षित माना जाता है।

दूध

कच्चा दूध चेहरे को गहराई से साफ करने के साथ-साथ उसे पोषण भी देता है। इसमें मौजूद लैक्टिक एसिड डेड स्किन सेल्स को हटाकर स्किन को नैचुरल ग्लो देता है। दूध को फेसवॉश की तरह इस्तेमाल करने के लिए कॉटन बॉल को कच्चे दूध में भिगोकर चेहरे पर हल्के हाथों से साफ करें, फिर सादे पानी से चेहरा धो लें। ये ड्राई और डल स्किन के लिए खासतौर पर अच्छा माना जाता है।

बेसन

बेसन एक बेहतरीन नेचुरल क्लेंजर है, जो चेहरे से गंदगी, पसीना और एक्स्ट्रा ऑयल हटाने में मदद करता है। इसमें मौजूद नेचुरल एक्सफोलिएटिंग गुण डेड स्किन को साफ करते हैं और स्किन टोन को बेहतर बनाते हैं। फेसवॉश की तरह इस्तेमाल करने के लिए 1 चम्मच बेसन में थोड़ा सा पानी, गुलाबजल या दूध मिलाकर पतला पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को गीले चेहरे पर लगाएं और 1-2 मिनट हल्के हाथों से मसाज करें, फिर सामान्य पानी से धो लें। ये खासतौर पर ऑयली और नॉर्मल स्किन के लिए फायदेमंद है। बेसन से बने फेसपैक से ड्राई स्किन से छुटकारा मिलेगा और त्वचा मुलायम बनेगी। इसके अलावा इससे चेहरे की त्वचा टाइट होगी, जिससे एजिंग के लक्षण कम होंगे डेड स्किन साफ करने में यह फेस पैक बहुत लाभकारी है, यह त्वचा को जीवंत बनाता है मुंहासों को ठीक करने में यह फेस पैक लाभकारी है यह आपकी त्वचा की रंगत में सुधार करके, दाग-धब्बे, कालापन आदि साफ करता है और त्वचा में ग्लो लाता है।

आजकल बाजार में मिलने वाले महंगे फेसवॉश में केमिकल्स की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे कुछ समय बाद त्वचा रूखी, बेजान या संवेदनशील हो सकती है। ऐसे में कई लोग नेचुरल और सुरक्षित विकल्प की तलाश करते हैं। अगर आप भी महंगे फेसवॉश इस्तेमाल करके थक चुके हैं और घरेलू चीजों का इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो यह तरीका आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। दरअसल, हमारे किचन में मौजूद कई ऐसी चीजें हैं, जो बिना साइड इफेक्ट के चेहरे को साफ करने, निखार बढ़ाने और पिंपल्स से राहत देने में मदद करती हैं। ये प्राकृतिक विकल्प त्वचा की नमी बनाए रखते हैं और चेहरे की गहराई से सफाई करते हैं। नियमित इस्तेमाल से त्वचा हेल्दी, ग्लोइंग और फ्रेश दिखने लगती है। खास बात यह है कि ये उपाय सस्ते, आसानी से उपलब्ध और हर स्किन टाइप के लिए उपयोगी होते हैं।

मुल्तानी मिट्टी

मुल्तानी मिट्टी ऑयली और एक्ने-प्रोन स्किन के लिए सबसे अच्छा घरेलू क्लेंजर मानी जाती है। यह चेहरे से अतिरिक्त तेल को सोख लेती है, पोर्स को साफ करती है और त्वचा को ठंडक पहुंचाती है। फेसवॉश की तरह इस्तेमाल करने के लिए 1 चम्मच मुल्तानी मिट्टी में गुलाबजल या सादा पानी मिलाकर पतला घोल बनाएं। इसे चेहरे पर लगाकर हल्की मसाज करें और सूखने से पहले धो लें। इसके अलावा यह आपकी त्वचा की झुर्रियों को कम करने में मदद करेगा। अगर आप नियमित चेहरे पर यह फेस पैक लगाएं तो इससे जल्द मुंहासों की समस्या दूर हो सकती है। चेहरे के दाग-धब्बे यह फेस पैक साफ करेगा। साथ ही चेहरे का कालापन भी दूर करेगा और त्वचा में निखार लाएगा। अगर त्वचा पर खुजली, चकत्ते, सनबर्न या टैनिंग की समस्या है तो इस फेस पैक को लगाने से जल्द दूर होगी। जिन लोगों की त्वचा ड्राई है या अधिक ऑयली है तो यह फेस पैक दोनों के लिए लाभकारी है, यह आपकी मुलायम और कोमल त्वचा पाने में मदद करेगा।

शहद

शहद में प्राकृतिक एंटीबैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुण पाए जाते हैं, जो चेहरे पर मौजूद बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद करते हैं। ये त्वचा की नमी को बनाए रखता है और उसे सॉफ्ट बनाता है। फेसवॉश की तरह इस्तेमाल करने के लिए थोड़ा सा शुद्ध शहद हथेलियों में लें, गीले चेहरे पर लगाकर हल्की मसाज करें और 1 मिनट बाद पानी से धो लें। ड्राई और सेंसिटिव स्किन वालों के लिए यह बेहद फायदेमंद है।

हंसना मना है

आज कुछ घबराये से लगते हो, ठंड में कपकपाये से लगते हो, निखर कर आई है सुरत आपकी, बहुत दिनों बाद नहाये से लगते हो।

ससुर ने दामाद से कहा- 6 साल में 8 बच्चे। ये क्या है? दामाद- मैने आपसे कहा था गरीब जरूर हूं, पर आपकी बेटी को कभी खाली पेट नहीं रखूंगा!

एक दिन संता अपनी भाभी को पीट रहा था, राह चलते लोगों ने पूछा क्यों मार रहे हो इस बेचारी को? संता बोला- मेरी भाभी अच्छी औरत नहीं है, लोगों ने पूछा- क्यों क्या हुआ? संता बोला- यार मेरे सभी दोस्त मोबाइल पर लगे रहते हैं, और जिसे भी पूंछू तुम लोग किस से बात कर रहे हो? तो सब बोलते हैं तेरी भाभी से।

पति अपनी नाराज पत्नी को रोज फोन करता है। सासूजी: कितनी बार कहा की वो अब तुम्हारे घर नहीं आएगी, फिर क्यों रोज रोज फोन करते हो? जमाई: सुन कर अच्छा लगता है इसीलिए।

पापा: बेटा तुम पास हो या ना हो मैं तुम्हें बाइक जरूर दिला दूंगा। पप्पू: थैंक्यू पापा जी, पापा: अगर पास हुये तो 'हीरो होन्डा' कॉलेज जाने के लिये, अगर फेल हुये तो 'राजदूत' दूध बेचने के लिये।

कहानी — सत्संग के महत्व

एक युवक प्रतिदिन संत का सत्संग सुनता था। एक दिन जब सत्संग समाप्त हो गए, तो वह संत के पास गया और बोला, महाराज! मैं काफी दिनों से आपके सत्संग सुन रहा हूं, किंतु यहां से जाने के बाद मैं अपने गृहस्थ जीवन में वैसा सदाचरण नहीं कर पाता, जैसा यहां से सुनकर जाता हूं। इससे सत्संग के महत्व पर शंका भी होने लगती है। बताइए, मैं क्या करूं? संत ने युवक को बांस की एक टोकरी देते हुए उसमें पानी भरकर लाने के लिए कहा। युवक टोकरी में जल भरने में असफल रहा। संत ने यह कार्य निरंतर जारी रखने के लिए कहा। युवक प्रतिदिन टोकरी में जल भरने का प्रयास करता, किंतु सफल नहीं हो पाता। कुछ दिनों बाद संत ने उससे पूछा, इतने दिनों से टोकरी में लगातार जल डालने से क्या टोकरी में कोई फर्क नजर आया? युवक बोला, एक फर्क जरूर नजर आया है। पहले टोकरी के साथ मिट्टी जमा होती थी, अब वह साफ दिखाई देती है। कोई गंदगी नहीं दिखाई देती और इसके छेद पहले जितने बड़े नहीं रह गए, वे बहुत छोटे हो गए हैं। तब संत ने उसे समझाया, यदि इसी तरह उसे पानी में निरंतर डालते रहोगे, तो कुछ ही दिनों में ये छेद फूलकर बंद हो जाएंगे और टोकरी में पानी भर पाओगे। इसी प्रकार जो लगातार सत्संग जाते हैं, उनका मन एक दिन अवश्य निर्मल हो जाता है, अवगुणों के छिद्र भरने लगते हैं और गुणों का जल भरने लगता है। युवक ने संत से अपनी समस्या का समाधान पा लिया। निरंतर सत्संग से दुर्जन भी सज्जन हो जाते हैं। क्योंकि महापुरुषों की पवित्र वाणी उनके मानसिक विकारों को दूर कर उनमें सदविचारों का आलोक प्रसारित कर देती है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

वृषभ — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। व्यस्तता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मिथुन — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क — कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। नई योजना बनेगी।

सिंह — कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या — धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आय में निश्चितता होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें।

तुला — जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। स्त्री पक्ष से लाभ होगा।

वृश्चिक — आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें।

धनु — भागदौड़ रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मकर — आज लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। दु:खद समाचार मिल सकता है। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है।

कुम्भ — पराक्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। चोट व रोग से बचें।

मीन — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

क्रिकेटर देवदत्त पडिक्कल से जुड़ गया शहनाज गिल के दिल का तार

सा इस आईपीएल सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मैचों में शहनाज गिल के बार-बार नजर आने से ऑनलाइन लोगों का ध्यान उनकी ओर गया है। अब यह अटकलें तेज हो गई हैं कि वह आरसीबी के क्रिकेटर देवदत्त पडिक्कल को डेट कर रही हैं।

ये अफवाहें तब और तेज हो गई जब गिल ने एक मैच के दौरान बातचीत में अपने पसंदीदा खिलाड़ियों के नाम बताए। जब उनसे उनके पसंदीदा खिलाड़ियों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, मुझे विराट कोहली बहुत पसंद हैं। और मुझे देवदत्त का खेल बहुत पसंद है। शहनाज गिल और देवदत्त पडिक्कल, दोनों में से किसी ने भी अब तक इन डेटिंग की अफवाहों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

इस महीने की शुरुआत में, अभिनेत्री ने एक मजेदार रील शेयर करते हुए लिखा, दिल ऋष्टक्क में है, जिससे अटकलें और बढ़ गईं। इस सीजन में उन्हें ऋष्टक्कके कई मैचों में स्टैंड्स से टीम का हौसला बढ़ाते हुए भी देखा गया है। हाल ही में, टीम की जीत के बाद गिल ने RCB की जर्सी पहने अपनी तस्वीरें शेयर कीं, जिससे उनके और पडिक्कल के बारे में चल रही चर्चा और बढ़ गई। गुरुवार को उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसके कैप्शन में लिखा था, मजा आ गया। इस वीडियो में वह बेंगलुरु की टीम को चीयर करती हुई नजर आ रही हैं।

गिल ने अपने करियर की शुरुआत पंजाबी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से की थी, जिसके बाद उन्हें रियलिटी शो बिग बॉस सीज़न 13 में आने से पूरे देश में लोकप्रियता मिली। बाद में उन्होंने सलमान खान, पूजा हेगड़े, वेंकटेश दग्गुबाती और भूमिका चावला जैसे कलाकारों के साथ किसी का भाई किसी की जान से बॉलीवुड में डेब्यू किया।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं फिल्मों की स्क्रिप्ट पढ़ता नहीं, लिखता हूं : सलमान

स लमान खान ने अपने बॉलीवुड करियर में कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। अब उन्होंने फिल्मों के चयन को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। हाल ही में एक बातचीत के दौरान, सलमान ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने पूरे करियर में कभी भी स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी है। सलमान ने वैरायटी इंडिया के साथ खुलकर बातचीत की, जिसमें उन्होंने अपनी लाइफ और करियर के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। इस बातचीत का प्रोमो शुक्रवार को जारी किया गया, जिसने तुरंत ऑनलाइन प्रशंसकों का ध्यान आकर्षित किया। अभिनेता ने अपनी फिल्म निर्माण प्रक्रिया के बारे में खुलकर खुलासा करके कई लोगों को चौंका दिया, उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने पूरे करियर में कभी कोई स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी। वीडियो में सलमान को यह कहते हुए सुना जा सकता है, मैंने अपने पूरे जीवन में कभी कोई स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी। मैंने स्क्रिप्ट लिखी हैं, लेकिन मैंने उन्हें कभी पढ़ा नहीं। बता दें कि इससे पहले भी सलमान ने हिंट दिया था कि वो स्क्रिप्ट पढ़ने के बजाया फिल्म का पूरी फील, ट्रीटमेंट और कॉमर्शियल अपील अच्छे से समझ लेते हैं। वीडियो में सलमान खान उन महंगी घड़ियों को लेकर भी चर्चा करते नजर आए, जिन्हें वह अक्सर सार्वजनिक कार्यक्रमों और आयोजनों में पहने हुए दिखाई देते हैं। पिछले कुछ सालों में सुपरस्टार ने कई बार महंगी घड़ियां पहनकर सबका ध्यान खींचा है, जिनमें से कई की कीमत कथित तौर पर 1 करोड़ रुपये से अधिक है। इसी बारे में बात करते हुए सलमान ने हिंदी में कहा, आप मुझे घड़ियां पहने हुए देखते हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि वे घड़ियां मेरी हैं। ये मेरे दोस्त की हैं... सलमान जल्द ही मातृभूमि में नजर आएंगे, जिसमें बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। मार्च तक इस फिल्म का नाम बैटल ऑफ गलवान था और खबरों के मुताबिक यह गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच हुए वास्तविक संघर्ष से प्रेरित थी। लेकिन अब इस प्रोजेक्ट ने एक नया मोड़ ले लिया है - इसका शीर्षक बदल दिया गया है, चीन और गलवान घाटी के संदर्भ हटा दिए गए हैं, और बताया जा रहा है कि टीम बड़े पैमाने पर रीशूट कर रही है।

तृषा कृष्णन की फिल्म करुप्पू ने पहले ही दिन की धांसू ओपनिंग

तृषा कृष्णन और सूर्या की फिल्म करुप्पू ने आखिरकार सिनेमाघरों में दस्तक दे दी है। 15 मई को रिलीज हुई फिल्म को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली अब आइए जानते हैं फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्शन किया?

तृषा कृष्णन और सूर्या की एक्शन ड्रामा करुप्पू ने 15 मई को थिएटर्स में दस्तक दी और पहले ही दिन धांसू ओपनिंग कर डाली। सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने पहले दिन 15.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। 4,891 शोज के साथ फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 17.93 करोड़ रुपये रहा।

वहीं वर्ल्डवाइड ग्रॉस की बात करें तो फिल्म ने 21 करोड़ रुपये से ज्यादा की ओपनिंग की है। दुनियाभर में फिल्म अब तक 21.93 करोड़ रुपये कमा चुकी है।

करुप्पु 2026 की एक भारतीय तमिल-भाषा की एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन RJ बालाजी ने किया है। इसकी पटकथा उन्होंने अश्विन रविचंद्रन, राहुल राज, T. S. गोपी कृष्णन और करण अरविंद कुमार के साथ मिलकर लिखी है। Dream Warrior Pictures द्वारा निर्मित इस फिल्म में सूर्या, तृषा कृष्णन और बालाजी मुख्य भूमिकाओं में हैं इनके साथ ही इंद्रन्स, नैटी सुब्रमण्यम, स्वासिका, शिवदा, सुप्रीत रेड्डी और योगी बाबू भी फिल्म में अहम भमिका निभा रहे हैं।

दुनिया का सबसे बेवकूफ पक्षी, मगरमच्छ पर भी बिना डरे कर देता है अटैक!

दुनिया में पक्षियों की हजारों प्रजातियां पाई जाती हैं। कोई अपनी खूबसूरती के लिए मशहूर है, तो कोई अपनी तेज रफ्तार और शिकार करने की कला के लिए जाना जाता है। लेकिन एक पक्षी ऐसा भी है, जिसे देखकर लोग डर जाते हैं। इसकी लंबी और भारी चोंच, विशाल शरीर और घूरती आंखें इसे बेहद खतरनाक बनाती हैं। हालांकि हैरानी की बात यह है कि इतने डरावने दिखने के बावजूद इसे दुनिया का सबसे मूर्ख पक्षी कहा जाता है।

इस अनोखे पक्षी का नाम है शूबिल। शूबिल मुख्य रूप से पूर्वी अफ्रीका के देशों में पाया जाता है। यह खासकर Ethiopia, South Sudan और Zambia के दलदली इलाकों में रहता है। कई लोग इसे सारस या बगुला समझ लेते हैं, लेकिन असल में इसका सबसे करीबी संबंध Pelican (पेलिकन) परिवार से माना जाता है। इस पक्षी की सबसे खास पहचान इसकी बड़ी और जूते जैसी दिखने वाली चोंच है। यही वजह है कि इसका नाम शूबिल पड़ा। इसकी चोंच करीब एक फुट लंबी और लगभग 5 इंच चौड़ी होती है। चोंच के किनारे बेहद नुकीले होते हैं, जिससे यह आसानी से अपने शिकार को पकड़ लेता है। शूबिल देखने में जितना शांत लगता है, उतना ही खतरनाक शिकारी भी है। यह मछलियों, ईल, सांप और दूसरे छोटे जीवों का शिकार करता है। कई बार यह मगरमच्छ के बच्चों और मॉनिटर छिपकली को भी खा जाता है। इसकी शिकार करने की तकनीक भी काफी अलग होती है।

शूबिल घंटों तक एक ही जगह बिल्कुल शांत खड़ा रह सकता है। वैज्ञानिक इसे कोलैप्सिंग कहते हैं। जब कोई मछली या दूसरा जीव पानी की सतह पर आता है, तो यह अचानक हमला करके उसे पकड़ लेता है। इतना ताकतवर होने के बावजूद शूबिल को स्टूपिड बर्ड यानी मूर्ख पक्षी कहा जाता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक इसकी निर्णय लेने की क्षमता काफी कमजोर होती है। अगर इसके सामने खाना रख दिया जाए, तो यह कई बार घंटों तक सोचता रहता है कि उसे खाना है या नहीं। एक और अजीब आदत इसे बाकी पक्षियों से अलग बनाती है। जब कोई इंसान इसके पास आता है, तो यह अपने पंख फड़फड़ाने या तोड़ने जैसी हरकत करने लगता है। कुछ वैज्ञानिक इसे इसका अभिवादन करने का तरीका मानते हैं। International Union for Conservation of Nature के अनुसार दुनिया में अब केवल 3,300 से 5,300 वयस्क शूबिल ही बचे हैं। इनकी संख्या तेजी से कम हो रही है, इसलिए इन्हें रेड लिस्ट में शामिल किया गया है।

अजब-गजब | दुनिया का सबसे छोटा साम्राज्य

यहां राजा खुद चलाता है रेस्टोरेंट, पकड़ता है मछली

दुनिया के सबसे छोटे देशों की बात होती है, तो उसमें वेटिकन सिटी का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। लेकिन क्या आप दुनिया के सबसे छोटे सम्राज्य के बारे में जानते हैं, जहां का राजा न सिर्फ मछली पकड़ता है, बल्कि रेस्टोरेंट भी चलाता है। इतना ही नहीं, रेस्टोरेंट में आने वाले मेहमानों को वो खुद खाना भी परोसता है। सुनकर हैरानी होगी, लेकिन इस स्वघोषित सम्राज्य का नाम बहुत कम लोगों को ही पता होगा। ऐसे में बता दें कि इटली के सार्डिनिया तट के पास समुद्र के बीचों-बीच 5 किलोमीटर लंबा और एक किलोमीटर चौड़े इस द्वीप का नाम 'तावोलारा' है। इस द्वीप का एक छोटा सा हिस्सा ही रहने लायक है, जहां पिछले 200 सालों से 'बर्टोलियोनी' परिवार की सात पीढ़ियां रहती आ रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि फैमिली ने इस आइलैंड को अपना सम्राज्य घोषित कर दिया है।

इस साम्राज्य की नींव सन् 1807 में पड़ी थी, जब जेनोआ से आए ग्यूसेप बर्टोलियोनी ने इस निर्जन द्वीप पर कदम रखा। दिलचस्प बात यह है कि ग्यूसेप यहां राज करने नहीं, बल्कि छिपने आए थे। उन पर दो पत्नियों के साथ 'बहुविवाह' का आरोप था। ऐसे में वे कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए अपने परिवार के साथ यहां रहने लगे। आइलैंड पर पहुंचने के बाद उन्होंने खुद को यहां का राजा घोषित कर दिया। आज सात पीढ़ियों बाद भी यह परिवार यहां के

एकमात्र निवासी के रूप में रह रहा है। ये लोग बकरी पालन, मछली पकड़ने और पर्यटकों को यादगार सामान बेचकर अपना जीवन यापन करते हैं। मजेदार बात यह है कि यहां के वर्तमान राजा 'किंग टोनिनो' खुद वहां के रेस्टोरेंट में ग्राहकों की सेवा करते हैं।

टावोलारा द्वीप की सबसे बड़ी खासियत यहां पाई जाने वाली जंगली बकरियों की एक दुर्लभ प्रजाति थी। वहां की खास समुद्री काई खाने की वजह से इन बकरियों के दांत सुनहरे-पीले रंग के हो जाते थे। जब इस 'सोने के दांत' वाली बकरी की खबर सार्डिनिया के असली शासक राजा कार्लो अल्बर्टो तक पहुंची, तो वे 1836 में वहां शिकार के लिए आए। ग्यूसेप के बेटे पाओलो ने उनका स्वागत 'टावोलारा के राजा' के रूप में किया। तीन दिन की शाही मेहमाननवाजी से खुश होकर कार्लो अल्बर्टो ने मजाक में ही सही, लेकिन कह दिया— पाओलो, तुम वाकई टावोलारा के राजा हो! 1900 के दशक में ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया दुनिया भर के शासकों की तस्वीरें इकट्ठा कर रही थीं। उन्होंने अपना निजी फोटोग्राफर टावोलारा भेजा, ताकि वहां के शाही परिवार की फोटो ली जा सके। यह तस्वीर आज भी लंदन के बकिंघम पैलेस म्यूजियम में टंगी है, जिसके नीचे लिखा है- टावोलारा का शाही परिवार, दुनिया का सबसे छोटा राज्य। पाओलो बार्टोलियोनी ने अपना शाही 'कोट ऑफ आर्म्स' (राजचिह्न) भी बनाया, जो आज भी उनके घर की दीवारों पर गर्व से सजा हुआ है।

साल 1934 में जब इटली ने इस द्वीप को अपने कब्जे में लिया, तो बार्टोलियोनी परिवार की संप्रभुता आधिकारिक तौर पर खत्म हो गई। इसके बाद 1962 में नाटो ने द्वीप के पूर्वी हिस्से पर अपना बेस बना लिया, जिसके कारण आधा द्वीप आम लोगों के लिए प्रतिबंधित हो गया। आज इस परिवार के पास द्वीप का केवल 50 हेक्टेयर हिस्सा बचा है। हालांकि, अब वे कानूनी रूप से शासक नहीं हैं, लेकिन फिर भी वे खुद को इस द्वीप का संरक्षक मानते हैं। फिलहाल, किंग टोनिनो आज भी अपने पूर्वजों की विरासत को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वे कोशिश कर रहे हैं कि उनके साम्राज्य को आधिकारिक तौर पर दुनिया के सबसे छोटे राज्य के रूप में मान्यता मिल जाए।

ममता बनर्जी ने टीएमसी की शुरू की ओवरहालिंग

पूर्व सीएम ने लोकसभा में कल्याण बनर्जी को बनाया चीफ व्हिप

» कल्याण बनर्जी को फिर से सौंपी जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में चुनाव हारने के बाद पार्टी की ओवहालिंग शुरू कर दी है। उन्होंने कहा है किवह पूरी पार्टी को पूरी तरह से फिर से तैयार करेंगी। इसी के तहत उन्होंने लोकसभा में पार्टी के चीफ व्हिप को बदल दिया है। हालांकि उनके फैसले से कुछ सांसद नाराज हो गए हैं। ममता बनर्जी ने कल्याण बनर्जी को यह जिम्मेदारी सौंपी हैं। इस पर पार्टी को महिला सांसद काकोली घोष की खुली नाराजगी सामने आई है। ऐसे में चर्चा हो रही है कि क्या ममता बनर्जी को सांसदों को टूटने का डर है। पार्टी के इस फैसले पर काकोली घोष की नाराजगी सामने आई है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा है कि 1976 से परिचित, 1984 से साथ-साथ चल रहे हैं। आज मुझे चार दशकों की वफादारी का इनाम मिला। इसके बाद यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या

सांसद काकोली घोष ने जताई खुली नाराजगी

सांसद काकोली घोष दस्तीदार यह टिप्पणी उन्होंने ममता बनर्जी द्वारा उनकी जगह कल्याण बनर्जी को दोबारा मुख्य सचेतक नियुक्त किए जाने के तुरंत बाद लिखी। इस बयान को राजनीतिक हलकों में पार्टी नेतृत्व के प्रति उनकी गहरी निराशा और असंतोष के रूप में देखा जा रहा है। टीएमसी के लोकसभा में 29 सदस्य हैं। राज्यसभा में 12 सदस्य हैं। ऐसे में संसद में पार्टी के पास 41 सांसदों का संख्याबल है। टीएमसी के लोकसभा में कुल 29 सांसदों में 11 महिला सांसद हैं। कल्याण बनर्जी से पूर्व में महुआ मोइत्रा का भी टकराव हो चुका है। ऐसे में जब कल्याण बनर्जी के महिला सांसदों से रिश्ते ठीक नहीं है तब उनकी चीफ व्हिप की पोस्ट पर वापसी ने सभी को चौंका दिया है।

तृणमूल कांग्रेस में हार के बाद सबकुछ ठीक नहीं है। ममता बनर्जी को क्या पार्टी में टूट का खतरा दिख रहा है, क्योंकि उन्होंने चुनाव नतीजों के तुरंत बाद ही लोकसभा के चीफ व्हिप में बदलाव किया है। 18वीं लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कुल 29 सांसदों में से 11 महिला सांसद है। यह उनकी कुल संख्या का लगभग 38% है। जो भारत के सभी प्रमुख

राजनीतिक दलों में प्रतिशत के लिहाज से सबसे अधिक है। ऐसे में चीफ व्हिप के पद से काकोली घोष दस्तीकर की छुट्टी ने टीएमसी में अंदरुनी लड़ाई को तेज कर दिया है। 66 साल की काकोली घोष दस्तीकर तृणमूल कांग्रेस की राष्ट्रीय महिला मोर्चा यूनिटी की प्रमुख हैं। वे 24 में लगातार तीसरी बार चुनी गई थीं। वह पश्चिम बंगाल की बारासात सीट से सांसद हैं। अभी तक उनकी गिनती ममता बनर्जी के करीबियों को होती आई है।

जो जाना चाहते हैं, वे जा सकते है : ममता

ममता बनर्जी ने पार्टी को फिर से खड़ा करने का आह्वान किया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा है कि जो लोग पार्टी छोड़ना चाहते हैं, वे जाने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र हैं। कोलकाता के कालीघाट स्थित अपने आवास पर ममता बनर्जी ने चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी भी शामिल हुए। ममता ने कहा कि हाल के विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार के बावजूद संगठन एक बार फिर मजबूती से खड़ा होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं और उम्मीदवारों से अपील की कि वे क्षतिग्रस्त हो चुके पार्टी दफ्तरों को फिर से ठीक करें, उन्हें रंगें और दोबारा खोलें। ममता ने यहां तक कहा कि अगर जरूरत पड़ी, तो वह खुद भी दफ्तरों को पेंट करने में मदद करेंगी। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस कभी किसी के सामने नहीं झुकेगी। ममता ने आरोप लगाया कि इस चुनाव में जनता के जनादेश को लूटा गया है। पार्टी के भीतर असंतोष और नेताओं के दूसरी पार्टियों में जाने की अटकलों के बीच बनर्जी ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह जानती हैं कि कुछ लोग पाला बदल सकते हैं। उनकी अपनी कुछ मजबूरियां हो सकती हैं, इसलिए वह किसी को भी जबरदस्ती पार्टी में रोक कर रखने में विश्वास नहीं करतीं। बैठक के बाद टीएमसी ने सोशल मीडिया पर उम्मीदवारों के साहस की सराहना की। पार्टी ने कहा कि उनके उम्मीदवारों ने डराने-धमकाने और अत्याचारों के बावजूद बहादुरी से चुनाव लड़ा। बनर्जी ने इस बैठक के जरिए हार से निराश उम्मीदवारों का मनोबल बढ़ाने और पार्टी में एकता का संदेश देने की कोशिश की है।

हिंदू करे तो ठीक, मुसलमानों से तकलीफ : वारिस पाठन

» कोलकाता में सड़क पर नमाज पढ़ने पर बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के राजाबाजार इलाके में नमाज अदा करने को लेकर हुए विवाद पर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। अब असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान ने कोलकाता के राजाबाजार इलाके की घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने कहा कि कोई मुसलमान शोक से सड़क या सार्वजनिक स्थानों पर नमाज अदा नहीं करता, उसकी विवशता होती है, हिंदू करे तो कोई विवाद नहीं मुस्लिम भाई करे तो सबको न जाने क्या तकलीफ हो जाती है, ये संविधान के बराबरी के नियमों की अनदेखी है। वारिस पठान ने कहा, देखिए, अगर कोई मुसलमान शुक्रवार के दिन 5-10 मिनट के लिए सड़क पर खड़े होकर नमाज़ पढ़ता है, तो इससे किसके पेट में दर्द होता है? उन्हें क्या तकलीफ होती है? किसी को भी शोक नहीं होता कि रास्ते में, धूप में या बारिश में नमाज पढ़े। मस्जिदों में जगह नहीं होती, इसलिए वो बाहर आकर सड़क पर 5 मिनट के लिए नमाज पढ़ लेते हैं, लेकिन उन्हें इसी बात से दिक्कत होने लगती है। पठान ने आगे कहा, हमने कितनी मरतबा देखा है कि हमारे हिंदू भाई-बहन ट्रेनों के अंदर पूजा-पाठ करते हैं, गरबा करते हैं, एयरपोर्ट के विज़ुअल्स हैं, लेकिन हम तो कुछ नहीं कहते न। सबको अपने धर्म का पालन करने का अधिकार होता है, लेकिन अगर मुसलमान ने नमाज पढ़ ली तो कभी-कभी उसे लातों से मारा जाता है, सड़क से उठाकर एफआईआर कर दी जाती है, जेलों में डाल दिया जाता है, ये सही नहीं है, ये तो संविधान के खिलाफ है जो बराबरी की बात करता है।

जम्मू-कश्मीर के लोगों से किया वादा पूरा करे केंद्र सरकार : फारूक

» जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने में हो रही देरी पर उठाया सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अबदुल्ला ने जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने में हो रही देरी पर सवाल उठाया और केंद्र से केंद्रशासित प्रदेश के लोगों से किए गए वादे पूरे करने का आग्रह किया। एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर के लोगों ने काफी इंतजार किया है। उनसे किए गए वादों को अब अमल में लाया जाना चाहिए। उन्होंने संसद और उच्चतम न्यायालय में दिए गए आश्वासनों के बावजूद राज्य का दर्जा बहाल करने में हो रही 'लगातार देरी' पर सवाल उठाया।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में 018 से 24 के दौर ने साबित कर दिया कि नौकरशाही व्यवस्था कभी लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार का स्थान नहीं ले सकती, जो लोगों की आकांक्षाओं, भावनाओं और रोजमर्रा की चिंताओं से गहराई से जुड़ी रहती है। अब्दुल्ला ने कहा, नयी दिल्ली को जम्मू-कश्मीर को तुरंत पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करना चाहिए और निर्वाचित सरकार को सभी अधिकार वापस देने चाहिए, ताकि शासन अधिक जवाबदेह, उत्तरदायी और जनकेंद्रित बन सके। फारूक ने जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ सालों के शासन मॉडल पर भी कड़ा प्रहार किया।

भापजा नेता समेत दो के खिलाफ केस दर्ज

» सपा सांसद प्रिया सरोज की एआई तस्वीरों से छवि खराब करने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की मछली शहर से समाजवादी पार्टी का संसद और भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह की मंगेतर प्रिया सरोज की एआई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिनके साथ आपत्तिजनक टिप्पणियां भी की गई। इन तस्वीरों को लेकर सांसद प्रिया सरोज ने भारतीय जनता पार्टी के नेता समेत दो लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। सपा सांसद ने इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर दी है, जिसके बाद ये मामला सुर्खियों में आ गया है।

सपा सांसद ने एआई जनरेटेट मॉर्फ्ड तस्वीरों को सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में बीजेपी नेता आमोद सिंह और एडवोकेट विशाल सिंह के खिलाफ साइबर

थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और दोनों पर उनके खिलाफ झुठी और भ्रामक सामग्री शेयर करने का आरोप लगायाउन्होंने कहा कि इससे उनका सामाजिक और राजनीतिक छवि को नुकसान पहुंचा है। आरोपी अमोद सिंह को जौनपुर बीजेपी का जिला मीडिया प्रभारी होने का दावा किया जा रहा है. प्रिया सरोज ने कहा कि इस तरह की पोस्ट से उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करने की कोशिश की गई है एआई तस्वीरें बनाना और उन्हें सोशल मीडिया पर झूठ के साथ वायरल करना एक गंभीर अपराध हैं। उन्होंने इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्रिया सिंह के शिकायत के बाद ये मामला चर्चा में आ गया है। सोशल मीडिया पर लोग सपा सांसद के साथ खड़े दिख रहे हैं।

यह भाजपा की राजनीति नहीं डर और घबराहट है: प्रिया

प्रिया सिंह ने अपनी शिकायत में इन दोनों के द्वारा सोशल मीडिया पर शेयर की गई पोस्ट के स्क्रीन शॉट्स दिए हैं सपा सांसद ने कहा कि नकली तस्वीरें, नाकाम साजिश, जौनपुर के बीजेपी आईटी सेल प्रभारी और कुछ लोगों द्वारा जानबूझकर एआई जनरेटेड फर्जी तस्वीरें शेयर कर झूठा माहौल बनाने और बदनाम करने की कोशिश की जा रही थी। यह भाजपा की राजनीति नहीं–डर और घबराहट है। महिलाओं के खिलाफ अपराध तेज़ी से बढ़ रहे हैं और यह उसी का उदाहरण है। इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी गई है और इस प्रकार की हरकतों पर सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए. प्रिया सरोज ने कहा एआई जनरेटेड तस्वीर बनाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पर्पल कैप पर भुवनेश्वर का दावा मजबूत

» ऑरेंज कैप की दौड़ में क्लासेन-सुदर्शन के बीच कड़ी टक्कर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईपीएल का सीजन अब समापन की ओर बढ़ रहा है। लीग चरण खत्म होने को है जिसके बाद प्लेऑफ मुकाबले खेले जाएंगे। इस सीजन भी बल्लेबाजों का दम देखने को मिला है। वहीं इस सीजन गेंदबाजों ने भी दमदार प्रदर्शन किया है। जहां भुवनेश्वर कुमार का पर्पल कैप पर कब्जा बरकरार है। वह इस सीजन अब तक खेले 12 मुकाबलों में 22 विकेट निकाल चुके हैं। वही, गुजरात टाइटंस के कगिसो रबाडा 21 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज 12 मुकाबलों में 19 विकेट के साथ तीसरे नंबर पर हैं। वहीं, राशिद खान 16 विकेट के साथ चौथे नंबर पर काबिज हैं। एलएसजी के प्रिंस

यादव 16 विकेट पांचवें और कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से इस सीजन खेल रहे कार्तिक त्यागी 16 विकेट लेकर छठे पायदान पर हैं। वहीं ऑरेंज कैप की दौड़ दिलचस्प हो गई है फिलहाल इस रेस में हेनरिक क्लासेन और साई सुदर्शन सबसे आगे चल रहे हैं। क्लासेन 12 मुकाबलों में 153 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 508 रन बना चुके हैं। वहीं, साई सुदर्शन 501 रन बनाकर लिस्ट में दूसरे नंबर पर मौजूद हैं। विराट कोहली 12 मुकाबलों में 165 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 484 रन बना चुके हैं और वह तीसरे नंबर पर चल रहे हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा 12 मुकाबलों में 481 रनों के साथ चौथे स्थान पर हैं। केएल राहुल 477 रनों के साथ पांचवें नंबर पर बने हुए हैं। मार्श ऑरेंज कैप की रेस में छठे नंबर पर हैं। सीएसके की ओर से 20 रनों की पारी खेलने वाले संजू सैमसन आठवें नंबर पर पहुंच गए हैं। सैमसन इस सीजन 12 मुकाबलों में 164 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 450 रन बना चुके हैं।

चेन्नई की प्लेऑफ की डगर हुई मुश्किल

लखनऊ। आकाश सिंह की अगुवाई में गेंदबाजों के घातक प्रदर्शन के बाद मिचेल मार्श और जोश इंग्लिस की शतकीय साझेदारी के दम पर लखनऊ सुपर जाएंट्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को सात विकेट से हरा दिया। इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सीएसके ने कार्तिक शर्मा की अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में पांच विकेट पर 187 रन बनाए। जवाब में लखनऊ ने 20 गेंदों के शेष रहते तीन विकेट पर 188 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। 17वें ओवर की चार गेंदों पर पूरन ने लगातार चार छक्के ठोककर लखनऊ को जीत दिलाई। इस हार के साथ चेन्नई की प्लेऑफ की उम्मीदों को तगड़ा झटका लगा है। टीम छठे पायदान पर पहुंच गई। वहीं, प्लेऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी लखनऊ की टीम तालिका में 10वें स्थान पर पहुंच गई है। टॉप-4 में आरसीबी, गुजरात, हैदराबाद और पंजाब की टीमें हैं।

रॉबर्ट वाड्रा को दिल्ली कोर्ट से बड़ी राहत शिकोहपुर लैंड डील केस में मिली जमानत

» बोले- न्याय सिस्टम पर भरोसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। इस फैसले के बाद गांधी परिवार में खुशी छा गई। वाड्रा ने कहा कि यह फैसला न्याय सिस्टम के भरोसे को और मजबूत करेगा।

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने शिकोहपुर लैंड डील मनी लॉन्ड्रिंग केस में उन्हें जमानत दे दी है। इस दौरान रॉबर्ट वाड्रा ने मीडिया से बात करते हुं कहा कि सब ठीक है, धन्यवाद। रॉबर्ट वाड्रा ने कहा, मुझे इस देश की न्यायिक व्यवस्था पर भरोसा है। मुझे पता है कि ईडी को सरकार मैनेज कर रही है और ईडी सरकार के कहने पर काम करती रहेगी। इसलिए, मैं हमेशा यहां रहूंगा और सभी सवालों के जवाब दूंगा। जो भी फॉर्मैलिटीज होंगी, मैं उन्हें पूरा करूंगा। उन्होंने कहा, सब ठीक है... अगर हम चुनाव जीत रहे हैं, अगर हम अच्छा कर रहे हैं और लोग अभी भी मेरे परिवार को चाहते हैं, तो बाय डिफॉल्ट मुझे इससे निपटना होगा। मुझमें इसका सामना करने की काबिलियत है। मैं निडर हूं और मेरे पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है।

मैं निडर हूं और मेरे पास छिपाने के लिए कुछ नहीं : रॉबर्ट वाड्रा

वाड्रा के पति और बिजनेसमैन रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि वे निडर हैं और कुछ छिपाना नहीं चाहते हैं, बस ईडी को झेलना है। उन्होंने कहा कि झेलने की क्षमता है, वह सबसे बड़ी चीज है। रॉबर्ट वाड्रा ने कहा, मुझे इस देश की न्यायिक व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। मुझे पता है कि ईडी को सरकार चला रही है और ईडी सरकार के इशारों पर ही काम करती रहेगी। मुझे देश की न्यायिक व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। मैं हमेशा यहीं रहूंगा और सभी सवालों के जवाब दूंगा। मैं निडर हूं और मेरे पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है।

अगली सुनवाई 10 जुलाई

पुर जमीन सौदे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए, जहां उन्हें कोर्ट से 50 हजार रुपये के मुचलके पर जमानत दे दी गई। राउज एवेन्यू कोर्ट में वाड्रा के वकील ने अपनी दलील में कहा कि इस मामले में उन्हें पहले कभी गिरफ्तार नहीं किया गया था, इसलिए उन्हें जमानत दी जानी चाहिए। अदालत ने उनकी दलील सुनने के बाद जमानत मंजूर कर ली। मामले की अगली सुनवाई 10 जुलाई को होगी।

साल 2008 का है पूरा मामला

दरअसल, यह पूरा मामला साल 2008 का है, जब गुरुग्राम के शिकोहपुर इलाके में करीब 3.53 एकड़ जमीन का सौदा हुआ था। ईडी का आरोप है कि इस जमीन खरीद-फरोख्त में मनी लॉन्ड्रिंग और गड़बड़ियां हुईं। जांच एजेंसी के मुताबिक, रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड ने फरवरी 2008 में यह जमीन ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड से करीब 7.5 करोड़ रुपये में खरीदी थी। ईडी का कहना है कि इस सौदे में कई तरह की अनियमितताएं हुईं। एजेंसी के अनुसार, कंपनी के पास उस समय इतनी पूंजी नहीं थी, फिर भी जमीन खरीदी गई। इतना ही नहीं, आरोप है कि इस डील में असली भुगतान नहीं किया गया और सेल डीड में गलत जानकारी दी गई। यहां तक कि एक ऐसे चेक का जिक्र भी किया गया जो कभी जारी ही नहीं हुआ या कैश नहीं हुआ। जांच एजेंसी का यह भी दावा है कि जमीन की कीमत को जानबूझकर कम दिखाया गया, जिससे स्टाम्प ड्यूटी की चोरी की जा सके। ईडी ने इसे भारतीय दंड संहिता की धारा 423 के तहत अपराध बताया है। अपनी शिकायत में ईडी ने कहा कि इस पूरे मामले में करीब 58 करोड़ रुपये की अपराध से हुई कमाई (प्रोसीड्स ऑफ क्राइम) सामने आई है।

चुनाव में अधिकारियों पर बयान मामले में आजम खान की मुश्किलें बढ़ीं

» एमपी-एमएलए कोर्ट ने दी दो साल की सजा व लगाया जुर्माना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रहीं हैं। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में अधिकारियों को लेकर दिए गए विवादित बयान, ये तनखइया हैं, इनसे जूते साफ कराऊंगा मामले में अदालत ने सपा नेता को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने उन्हें दो साल की सजा व पांच हजार का जुर्माना लगाया है।

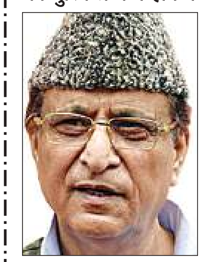

शनिवार, 16 मई को एमपी-एमएलए कोर्ट ने यह फैसला सुनाया। उत्तर प्रदेश स्थित रामपुर में एमपी एमएलए कोर्ट ने यह फैसला सुनाया। 100 से ज्यादा मुकदमों का सामना कर रहे सपा नेता आजम खान को अब तक 11 मामलों में राहत मिल चुकी है, जबकि 6 मामलों में उन्हें सजा सुनाई जा चुकी है, फिलहाल आज़म खान अपने बेटे अब्दुल्लाह आजम खान के साथ रामपुर जिला जेल में बंद हैं, दोनों पर दो पैन कार्ड मामले में कार्रवाई हुई है और इसी केस में वे जेल में हैं।

सुप्रीम कोर्ट पहुंची यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट

» याचिका दायर, एनटीए को भंग करने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में नीट परीक्षा के पेपर लीक का मामला जब जोर पकड़ रहा था, उसी दौरान शनिवार को यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट ने सुप्रीम कोर्ट में एनटीए को भंग करने की मांग करते हुए एक याचिका दायर की।

याचिका में मांग की गई है कि सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत स्थापित मौजूदा राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) को भंग कर दिया जाए और संसद के अधिनियम के माध्यम से एक नया वैधानिक ढांचा तैयार किया जाए। याचिका में केंद्र सरकार को संसद में एक वैधानिक राष्ट्रीय परीक्षा निकाय की स्थापना के लिए कानून बनाने का निर्देश देने की मांग की गई है, जिसे स्पष्ट कानूनी अधिकार, पारदर्शिता के मानदंड और संसद के प्रति जवाबदेही प्राप्त हो। यह याचिका पंजीकृत संगठन यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट (यूडीएफ) द्वारा संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर की गई है, जिसमें एनईटी-यूजी 26 के संचालन में प्रणालीगत और भयावह विफलता का आरोप लगाया गया है और परीक्षा प्रणाली में संरचनात्मक सुधारों की मांग की गई है।

भोजशाला पर फैसला भारत के संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप नहीं : असदुद्दीन ओवैसी

एआईएमआईएम चीफ ने कोर्ट के आदेश की कड़ी आलोचना की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने इंदौर हाई कोर्ट के भोजशाला परिसर से संबंधित हालिया आदेश की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह फैसला भारत के संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है। हैदराबाद में बोलते हुए ओवैसी ने तर्क दिया कि यह फैसला बाबरी मस्जिद-राम मंदिर विवाद की कानूनी प्रक्रिया को प्रतिबिंबित करता है।

उन्होंने कहा, यह फैसला संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है। बाबरी मस्जिद-राम मंदिर विवाद पर दिए गए फैसले ने एक धर्म को सर्वोच्चता प्रदान की है, जबकि अन्य धर्मों के पूजा-पाठ के अधिकारों को प्रभावी रूप से कमजोर किया है। इसके अलावा, इस फैसले ने एक नई राह खोल दी है। कल कोई भी विभिन्न पूजा स्थलों की पवित्रता को चुनौती देने के लिए आगे आ सकता है। उन्होंने न्यायपालिका के रुख में विरोधाभास का आरोप लगाते हुए कहा

कि जहां सुप्रीम कोर्ट ने बाबरी मस्जिद मामले में पूजा स्थल अधिनियम को संविधान के मूल ढांचे से जोड़ा था, वहीं अब ऐसा प्रतीत होता है कि उस सिद्धांत की पूरी तरह से अनदेखी कर दी गई है।

उन्होंने कहा कि यह विशेष रूप से चिंताजनक है क्योंकि बाबरी मस्जिद-राम मंदिर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पूजा स्थल अधिनियम के महत्व को स्वीकार करते हुए इसे संविधान के मूल ढांचे से जोड़ा था, एक ऐसा सिद्धांत जिसकी न्यायालय ने आज पूरी तरह से अनदेखी कर दी है। पूजा स्थल अधिनियम का मजाक उड़ाया जा रहा है। बाबरी मस्जिद मामले से सीधा संबंध स्थापित करते हुए ओवैसी ने कहा कि यह फैसला बिल्कुल बाबरी मस्जिद मामले जैसा ही निकला है। बाबरी मस्जिद मामले में न्यायालय ने कहा था कि मुसलमानों का उस स्थल पर कब्जा नहीं था लेकिन इस मामले में आज तक उस स्थल पर कब्जा बना हुआ है।

उन्होंने कहा, मैंने पहले ही कहा था कि बाबरी मस्जिद-राम मंदिर विवाद पर आया फैसला त्रुटिपूर्ण था, जो पूरी तरह से आस्था के आधार पर दिया गया था। मैंने चेतावनी दी थी कि उस समय दिया गया यह फैसला अन्य कई मुद्दों को प्रभावित करेगा लेकिन उस समय कई लोगों ने मुझसे चुप रहने को कहा था। इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और अखिल भारतीय मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के कार्यकारी सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा कि हाई कोर्ट के फैसले से मुस्लिम समुदाय में निराशा हुई है, लेकिन आगे की कानूनी लड़ाई के लिए सर्वोच्च न्यायालय का रास्ता खुला हुआ है।

पेट्रोल-डीजल की महंगाई आफत बनकर आई, दाम बढ़ने से भड़के गिग वर्कर्स

» पांच घंटे ठप रहेगी फूड डिलीवरी, पैसा बढ़ाने की मांग तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमतें अब लोगों को परेशान करने लगीं हैं। जहां आम आदमी महंगाई की मार से आह करने लगा है। अब कीमत बढ़ने के बाद गिग वर्कर्स देशभर में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। डिलीवरी करने वाले कामगार 20 रुपये प्रति किलोमीटर भुगतान की मांग कर रहे हैं। इसके साथ ही आज दोपहर 12 बजे से शाम पांच बजे तक देशभर में ऐप सेवाओं को बंद करने की अपील की है।

पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर अब गिग और ऐप आधारित वर्कर्स में असंतोष तेज हो गया है। गिग और प्लेटफॉर्म सेवा श्रमिक संघ (जीआईपीएसडब्ल्यूयू) ने सरकार और डिजिटल प्लेटफॉर्म कंपनियों के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। संघ का कहना है कि 15 मई को पेट्रोल और डीजल के दामों में करीब 3 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि ने लाखों गिग वर्कर्स की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। यूनियन के मुताबिक करीब चार वर्षों बाद ईंधन की कीमतों में यह पहली बड़ी राष्ट्रीय स्तर की बढ़ोतरी है।जीआईपीएसडब्ल्यूयू के अनुसार देशभर में लगभग 1.2 करोड़ गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स इस फैसले से प्रभावित होंगे। इनमें फूड डिलीवरी, कैब सेवा, लॉजिस्टिक्स और अन्य ऐप आधारित सेवाओं से जुड़े कर्मचारी शामिल हैं।

कीमतें बढ़ने से कामगारों पर अतिरिक्त बोझ

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और पश्चिम एशिया में जारी तनाव को जिम्मेदार ठहराया है। संगठन की अध्यक्ष सीमा सिंह ने कहा कि पेट्रोल-डीजल के साथ पहले से बढ़ी एलपीजी कीमतों ने भी कामगारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल दिया है।

न्यूनतम 20 रुपये प्रति किलोमीटर भुगतान करने की मांग

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि भुगतान व्यवस्था में जल्द सुधार नहीं किया गया तो बड़ी संख्या में गिग वर्कर्स इस सेक्टर को छोड़ने के लिए मजबूर हो सकते हैं। सीमा सिंह ने सरकार के साथ-साथ स्विगी, जोमैटो और ब्लिंकिट जैसी कंपनियों से भी न्यूनतम 20 रुपये प्रति किलोमीटर की दर लागू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐप आधारित कर्मचारी भीषण गर्मी और खराब मौसम में लगातार दोपहिया वाहन चलाकर काम करते हैं, इसलिए ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी का सबसे ज्यादा असर इन्हीं पर पड़ रहा है। यूनियन ने सभी गिग वर्कर्स से अपील की है कि वे आज दोपहर 12 बजे से शाम पांच बजे तक ऐप सेवाएं बंद रखकर इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हों।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |**website:** www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**